वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 277 | गुरुवार 2 फरवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

'बाजरा' और 'गोबर' बदल सकते हैं प्रदेश की तकदीर

केंद्र ने मोटे अनाज को 'श्री अन्न' घोषित किया, राजस्थान में बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

जयपुर. कासं

संसद में बुधवार को पेश किए गए बजट में बाजरे और पशुओं के गोबर से जुड़ी दो घोषणाएं राजस्थान की किस्मत पलट सकती हैं। भारत को मोटे अनाज उत्पादन में वैश्विक हब बनाने और ऑर्गेनिक खाद के लिए 10 हजार गोबर इनपुट केंद्र खोलने की घोषणा की गई है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बाजरा को श्री अन्न (भगवान का भोजन) नाम दिया है। राजस्थान बाजरा उत्पादन में देश में पहले नंबर पर है। यहां परम्परागत रूप से सदियों से बाजरा, जौ, ज्वार, मक्का जैसे मोटे अनाज उगाए जा रहे हैं। राजस्थान में करीब 5 करोड़ 50 लाख लोग खेती से सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि राज्य सरकार इन घोषणाओं पर गंभीरता से काम करें तो राजस्थान में रहने वाले 7.50 करोड़ में से 5.50 करोड़ लोगों की तकदीर बदल सकती है।

मोटे अनाज के बारे में केन्द्रीय बजट घोषणाएं

देश को बाजरा उत्पादन में वैश्विक हब बनाना है। देश में एक रिसर्च संस्थान विशेषकर बाजरे के लिए खोला जाएगा। मोटे अनाज की खेती के लिए मिलने वाले खाद पर 50 प्रतिशत की छूट रहेगी। मोटे अनाज उत्पादन के लिए ऑर्गेनिक खाद तैयार करने के लिए देश भर में 10,000 बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर (गोबर संग्रहण के लिए) स्थापित किए जाएंगे। इसे गोबर धन स्कीम का नाम दिया गया है। युवाओं के लिए एग्री स्टार्टअप खोलने के लिए आसान किश्तों पर बैंकों से लोन मिल सकेगा। सरकार इसके लिए बैंकों को कृषि वर्धक निधि के तहत आर्थिक सहायता देगी। किसानी के लिए 20 लाख

करोड़ रुपए का कृषि ऋण फंड बनाया जाएगा, जिसके तहत किसानों को सीधे लोन मिल सकेगा। कृषि मंत्रालय के अनुसार देश में 4 हजार 685 टन वार्षिक उत्पादन के हिसाब से राजस्थान पूरे देश में नंबर वन पर है। राजस्थान के बाद 1939 और 1019 टन वार्षिक उत्पादन के लिए उत्तर प्रदेश और हरियाणा का नंबर आता है। ऐसे में बाजरे की मार्केटिंग से जुड़ी विशेष योजना लागू होने से राजस्थान के खेतों से निकलकर बाजरा दुनिया भर की भोजन थालियों में पहुंच सकता है। ऑर्गेनिक खाद बनाने के लिए देश भर में जो 10 हजार केंद्र खोले जाने हैं, उनके जरिए लोगों को अब गोबर भी कमा कर देगा। यूपी के बाद पशुपालन में राजस्थान दूसरे नंबर पर आता है। यहां 56.8 मिलियन पशु पाले जाते हैं। ऐसे में विशेषज्ञों का मानना है कि राजस्थान में भी अन्य राज्यों के मुकाबले ऑर्गेनिक खाद केंद्र ज्यादा स्थापित होंगे। इससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

वीमन एम्पावरमेंट प्रोग्राम में विशेषज्ञों ने रखी राय

अभिनंदन कुमार बोले; महिलाओं को सिर्फ साक्षर करना काफी नहीं, अवसर भी प्रदान करना होगा

जयपुर. कासं। आइआइएस डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी ने हनीवेल और आईसीटीए एकेडमी के सहयोग से हनीवेल सीएसआर वीमन एम्पावरमेंट प्रोग्राम आयोजित किया गया। यह पंद्रह दिनों के 100 घंटे का प्रशिक्षण कार्यक्रम हर किसी के लिए खास रहा, जिसमें एडब्ल्यूएस क्लाउड, इसकी सेवाओं और इसके कार्यान्वयन के लिए सर्वोत्तम सुरक्षा प्रथाओं के मूल्य और महत्व के बारे में बताया जा रहा है। आईआईएसयू की रेक्टर और रजिस्ट्रार डॉ राखी गुप्ता ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईसीटीए एकेडमी के ऐकडमिक स्टेट हेड, अभिनंदन कुमार पांडेय का स्वागत किया। आईआईएसयू के कुलाधिपति डॉ अशोक गुप्ता की ओर से अध्यक्षीय भाषण दिया। अभिनंदन कुमार पांडेय ने कहा की महिला सशक्तिकरण का मतलब महिलाओ को सिर्फ साक्षत करना नहीं है, बल्कि उन्हें अवसर प्रदान करना है। उन्होंने इस साल के बजट की थीम डिजिट-ऑल के बारे में भी बात की और कहा की देश के प्रत्येक व्यक्ति को डिजिटल सहायता प्रदान करने और छात्राओं को उद्योगों में व्यवसाय के लिए कौशल की जरूरत है। नौकरी में प्रशिक्षण अब एक मानदंड नहीं है, इसलिए छात्राओं के लाभ के लिए इस पाठ्यक्रम में प्रदान किए गए कौशल पहले से ज्यादा आवश्यक हैं। कार्यक्रम में प्रोफेसर प्रदीप भटनागर (डीन विज्ञान) और विश्वविद्यालय के अन्य संकाय सदस्य भी मौजूद रहे। आइटी विभाग की प्रमुख अनुभा जैन ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

आस्था की पालकी : डेढ़ टन वजनी लकड़ी की पालकी में सवार होकर नगर भ्रमण को निकले साईं बाबा

जयपुर. कासं। बाबू नगर, मोती पार्क के शिरडी साई बाबा मंदिर साईं धाम का दो दिवसीय 17वां स्थापना दिवस बुधवार सुबह हवन के साथ शुरू हुआ। शाम को धूमधाम और लवाजमे के साथ बाबा एक रथ और दो पालकियों पर विराजमान हो नगर भ्रमण को निकले। इस पालकी यात्रा में श्रद्धालु बाबा के जयकारे लगाते और नाचते-गाते चल रहे थे। जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत और आगवानी की। मंदिर से शुरू हुई यह पालकी यात्रा बापू नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए वापस मंदिर पहुंची। यहां आरती के साथ संपन्न हुई। इससे पूर्व दोपहर में छप्पन भोग झांकी सजाई गई। स्थापना दिवस के मुख्य

कार्यक्रम के तहत गुरुवार सुबह 9 से 11 बजे तक बाबा की पादुका पूजन और 12 बजे महाआरती होगी। 12:30 बजे से भंडारा प्रसादी और भजनों का आयोजन होगा। इसमें मनोज शर्मा एंड पार्टी, गोविंदगढ़ वाले भजनों की प्रस्तुति देंगे। पालकी यात्रा में मंदिर में स्थापित बाबा का मूर्ति स्वरूप को डेढ़ सौ किलो ऑक्सीडाइज चांदी की पालकी में विराजमान किया गया। साढ़े पांच फीट ऊंची सफेद मार्बल की यह मूर्ति शिरडी के साई बाबा की प्रतिमूर्ति है। जैसे भाव शिरडी के साई बाबा के हैं वैसे ही इस मूर्ति में हैं। इसके साथ ही 15 साल पुरानी डेढ़ टन वजनी लकड़ी की पालकी में बाबा का चांदी मंडित चित्र विराजमान रहा। इसके अलावा एक रथ भी यात्रा में शामिल रहा। इस रथ पर बाबा बड़ा चित्र था।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन की साधारण सभा

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन की 2023 की प्रथम बैठक भट्टारक जी की नसियां में आयोजित की गई जिसमें निम्न कार्यवाही सम्पन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेन ग्रुप के अध्यक्ष डा. राजेन्द्र कुमार जैनः ने की तथा इस अवसर पर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप के राष्ट्रीय परामर्शक महेन्द्र कुमार जैन पाटनी की पूरे समय गरिमापूर्ण उपस्थिति रही। ग्रुप के कोषाध्यक्ष डा. नमोकार जैन द्वारा वर्ष 2023 का बजट प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया । वर्ष 2023 में जो कार्यक्रम किये जाने है उनकी सूची सचिव महेन्द्र कुमार छाबडा ने प्रस्तुत किया और सदन से सुझाव भी चाहे गये जिसमें कुछ महानुभावों ने सुझाव दिया कि आमोद प्रमोद के लिए भी आयोजन किया जाए तथा यह भी सुझाव दिया कि जयपुर शहर के बाहर भी मिटिंग का आयोजन किया जाना चाहिए। वर्ष 2023 में ग्रुप द्वारा निम्न विशेष कार्यक्रम रखे जाने का निर्णय लिया गया (1) कम से कम चार बार बैठक की जायेगी । (2) वृक्षारोपण (3) परिण्डा (4) विभिन्न प्रकार के मेडिकल शिविर (5) धार्मिक यात्रा (6) विदेश यात्रा आदि। अध्यक्ष डा. राजेन्द्र जैन ने बताया कि सदस्यों के जन्म दिन पर व वैवाहिक तिथि पर बधाई संदेश भेजा जाता है।

नियमित रूप से भेजने के लिये प्रमोद जैन 'भंवर' ने शुभ संदेश भेजने की स्वयं ने प्रस्ताव दिया जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के अध्यक्ष राजेश बडजात्या व सचिव निर्मल संघी को राष्ट्रीय अधिवेशन में उन्हे सर्वश्रेष्ठ रीजन अध्यक्ष व श्रेष्ठ सचिवघोषित करने पर जयपुर मेन ग्रुप द्वारा उनका अभिनन्दन किया गया। इसी प्रकार राष्ट्रीय अधिवेशन में जयपुर मेन ग्रुप को भी श्रेष्ठ मानव सेवा, श्रेष्ठ मनोरंजन कार्यक्रम, श्रेष्ठ धार्मिक सेवा व श्रेष्ठ चिकित्सा से सम्मानित किया गया और रीजन अध्यक्ष राजेश बडजात्या द्वारा अभिनन्दन स्वरूप मोमेन्टो देकर सम्मानित किया गया। अन्त में शांतिपाठ व नमोकार बोलकार सभा विसर्जित की गई।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर
के तत्वावधान में
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के द्वारा

निःशुल्क मेडिकल कैम्प एवं नैत्र जांच शिविर

रविवार, 5 फरवरी 2023 समय : प्रातः 10.00 बजे से 2.00 बजे तक

स्थान : राजस्थान अस्पताल प्रांगण, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर

शिविर में निम्न रोगों के विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएँ निःशुल्क उपलब्ध रहेंगी.....

हृदय रोग विशेषज्ञ	हड्डी रोग विशेषज्ञ	नैत्र रोग विशेषज्ञ	डायबिटिज विशेषज्ञ	स्त्री रोग विशेषज्ञ	जनरल फिजिशियन	कान,नाक,गला विशेषज्ञ
डॉ. कैलाश चन्द्रा	डॉ. जितेश जैन	डॉ. करिश्मा गोयल	डॉ. प्रियाश्री कटेवा	डॉ. प्रियंका शर्मा	डॉ. डी. के. जैन	डॉ. पंकज सिंह

शिविर में उपलब्ध निःशुल्क जांचें

नोट : जाँच करवाने हेतु खाली पेट आना उचित रहेगा। रोगी अपने ईलाज संबंधित पूर्व रिपोर्ट व डॉ. की पर्ची साथ लेकर आवें।

बीएमडी | फाइब्रो स्कैन (प्रातः 10 से 12 बजे तक) | लिपिड प्रोफाइल रैंडम शुगर | पैप स्मीयर (केवल महिलाओं के लिए) | मैमोग्राफी (केवल महिलाओं के लिए) | ई.सी.जी. (कार्डियोलॉजिस्ट की सिफारिश पर)

मुख्य अतिथि :: डॉ. निर्मल जी जैन Member : National Road Safety Council (NRSC)

दीप प्रज्जवलन कर्ता : श्रीमान् सुभद्र जी पापड़ीवाल

मुख्य समन्वयक यश कमल-संगीता अजमेरा 9829067076
समन्वयक राकेश-रेणु संघी 9950880055
समन्वयक कमल-मंजू ठोलिया 9414062851
समन्वयक प्रदीप-प्राती वाकलीवाल 9414070596
संयोजक नितेश - मीनू पाण्ड्या 9314263204

निवेदक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन, जयपुर
राजेश बड़जात्या अध्यक्ष | अनिल जैन IPS संस्थापक अध्यक्ष | यश कमल अजमेरा निर्वतमान अध्यक्ष | पारस कुमार जैन कोषाध्यक्ष | निर्मल संघी महासचिव

आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर
राकेश-समता गांदिका अध्यक्ष | दिनेश-संगीता गंगवाल परामर्शक | मनीष-शांभना लाँग्या कार्याध्यक्ष | अनिल-अनिता जैन कोषाध्यक्ष | अनिल-निशा संघी सचिव

सौजन्य से :: राजस्थान अस्पताल जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर

जन्माभिषेक पर कलश से संसार अच्छा होता है: मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी

जन्म कल्याणक पर विशाल शोभायात्रा निकाली, पांडुशिला पर भक्तों की भीड़ ने किया अभिषेक

ललितपुर. शाबाश इंडिया

हजारों रोगो से मुक्त का एक ही उपाय है जन्म कल्याणक का अभिषेक हजारों समस्या का एक ही निदान है। जन्म जन्म की समस्त से मुक्ति का मार्ग है। पंचकल्याणक में एक मात्र क्रिया है जो भगवान के जन्माभिषेक कर सकते हैं। नारी पर्याय कही भी धन्य नहीं होती। लेकिन जब नारी बालक को जन्म देकर मां बनती है और शचि बनकर बालक तीर्थकर को सबसे पहले दर्शन करती है संसार में कोई भी इस पुण्य का मुकाबला नहीं कर सकता। जैसे ही तीर्थंकर बालक आता है तो सोधर्म इन्द्र सोचता है ऐसा तो मैंने आज तक मुद्रा कभी देखी नहीं हजारों पंचकल्याणक करने वाले सौधर्म इन्द्र के अनुभव में भी आता और वह अपने पूरे शरीर पर एक हजार नेत्र बनाकर उन तीर्थकर बालक को निहारते रहते हैं उक्त आश्य केउद्गार शाही पंचकल्याणक महोत्सव में जन्म कल्याणक पर विराट धर्म सभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए ।

विशाल जन्मभिषेक यात्रा शहर में निकाली गई

दयोदय महासंघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता विजय धुर्रा ने बताया कि आज ललितपुर में परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में चल रहे शाही पंचकल्याणक महोत्सव में भव्य विशाल जन्मभिषेक यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से निकली गई जहां शहर वासियों ने शोभायात्रा का अभूतपूर्व स्वागत किया करते हुए भगवान की भक्ति करते हुए नृत्य गान बैन्ड बाजे की ध्वनि से अपनी भक्ति प्रस्तुति की इस शोभायात्रा में सौधर्म इन्द्र ऐरावत हाथी पर बालक प्रभु को लेकर कुबेर इन्द्र रत्न वृष्टि करते हुए अन्य इन्द्र जय जय कार करते हुए चल रहे थे। ये शोभायात्रा पाडूकशिला पर पहुंच कर जन्मभिषेक में बदल गई जहां प्रभु का जन्माभिषेक भक्तों द्वारा किया गया।

जन्म से ही तीर्थंकर बालक दस अतिशय के धारी होते हैं

इसके पहले धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधा सागर जी महाराज ने कहा कि अतिशय तो कुछ विशिष्ट होना चाहिए इनका छेदन भेदन नहीं हो सकता। संसार का कोई व्यक्ति जन्मा हो तो अपवित्रता तो आयेगी लेकिन तीर्थंकर बालक के जन्म से किसी को एक क्षण का सूतक नहीं लगता वे इतने पवित्र होते हैं सौधर्म इन्द्र की शचि बालक को लाती हैं। नवन करातीं हैं भगवान के सौंदर्य को देखकर राग नहीं जगता वैराग्य जागता है एक मां का अपने बालक के अन्दर वात्सल्य जागता है तो स्थनो में दूध आ जाता है बिना स्वयं की शक्ति के अतुल बल नहीं मिल सकता ये तीर्थंकर बालक की स्वयं की उपादान शक्ति थी। उनकी भक्ति रही होगी सुन्दर वस्तु को देख कर लोग अपने परिणामों को बिगाड़ते है गर्भ से जन्मे वाला बालक इतना अपवित्र होता है कि उसे परिवार वाले भी नहीं छूते।लेकिन तीर्थंकर बालक दस अतिशय के साथ जन्म लेते हैं ये उपादान शक्ति को लेकर जन्मे हैं ये उनके कठोर तपस्या से प्राप्त किया।

तीर्थंकर भगवान को भी इस धरा पर आना पड़ा

उन्होंने कहा कि तीर्थंकर भगवान को भी इस धरा पर आना पड़ा उनकी भी वी आई पी व्यवस्था हो सकती थी नहीं लेकिन तीर्थंकर बालक को भी माता की गोद में जन्म लेना पड़ा। बालक जन्म लेता है तब सारे घर को सुतक लगा देता है ऐसी माताऐ जिन्होंने कभी भगवान के दर्शन के बिना पानी भी नहीं पिया वे पैंतालीस दिन प्रभु के दर्शन नहीं मिलता। वह निमित्त वह मोजूद नहीं था प्रभु वहीं से मोक्ष जा सकते थे। मोक्ष जाने के लिए सबसे बड़ी निमित्त शक्ति मनुष्य पर्याय है। उपादान कुछ नहीं किया जा सकता उपयोग को शुद्ध नहीं कर सकते नैमत्तिक शक्ति वह तीसरे वह अपने मन मानें मार्ग से नहीं चल सकता। स्वयं पढ लेने से प्रमाण पत्र नहीं मिल सकता। सज्जन की अपनी अलग पहचान होती है वह सतमार्ग पर चलते हैं वह किसी को अपने से बड़ा स्वीकार करते हैं। सज्जन जिस रास्ते से गुजरते हैं वहीं रास्ता सत मार्ग कहलाता हैं।

ऐसे साकार होती है मुट्ठी में कैद सपनों की दुनिया

मीरा गर्ल्स कॉलेज में मोबाइल फोटोग्राफी वर्कशॉप

उदयपुर. शाबाश इंडिया। डिजिटल एरा में आधुनिकतम तकनीक के बदलाव, शौक और समय की मांग को देखते हुए मोबाइल कैमरा फोटोग्राफी के दिन ब दिन बढ़ते उपयोग और युवाओं को इस विधा की रोजगार परक जानकारी प्रदान करने के प्रयोजन से मीरा कन्या महाविद्यालय में बुधवार को मोबाइल फोटोग्राफी कार्यशाला आयोजित हुई। एलुमिनी मीरा सोसायटी सचिव डॉ. सविता चाहर ने बताया कि मेंटर राकेश शर्मा 'राजदीप' ने कॉलेज छात्राओं संग लाइट, एंगल, सब्जेक्ट, कंपोजिशन और टेक्निक पर अपने अनुभव साझा किए। साथ ही उन्होंने मोबाइल कैमरा फोटोग्राफी से शौक जिंदा रखते देश दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने और रोजगार गारंटी के महत्त्वपूर्ण सूत्र भी बताए। एलुमिनी मीरा अध्यक्ष मंजू बारापाल ने बताया कि कार्यशाला के दौरान उन्होंने छात्राओं की विषय संबंधी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। साथ ही समापन पूर्व मोबाइल कैमरे से क्लिक 10 बेस्ट फोटोग्राफ को पुरस्कृत भी किया। **ये सब बनी विजेता:** ऑन द स्पॉट मोबाइल कैमरा फोटोग्राफी में सपना कुमारी, तारा राजपूत, बुशरा खान, विशाखा चौधरी, चंचल राणावत, प्रियांशी तंवर, किरण सुथार, ऋतु और मोनिका मीणा ने बाजी मारी। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. मीना बया सहित एलुमिनी मीरा कोर कमेटी सदस्य और कई संकाय के प्राध्यापक मौजूद थे। संचालन डॉ. स्नेहा बाबेल ने किया। रिपोर्ट : दिनेश शर्मा

एक साथ 28 जोड़ों का होगा पाणिग्रहण संस्कार

सिंधु वेलफेयर सोसाइटी के नेतृत्व में समाज नई गृहस्थी जमाने के लिए नवविवाहितों को देंगे 175 उपहार

जयपुर. कासं। सिंधी समाज का तीन साल बाद सामूहिक विवाह सम्मेलन होगा। इस सम्मेलन में समाज में पहली बार 28 जोड़ों का एकसाथ पाणिग्रहण संस्कार होगा। सिंधु वेलफेयर सोसाइटी जयपुर की ओर से यह विवाह सम्मेलन 12 फरवरी को होगा। आयोजन गीता भवन बीस दुकान पर होगा आयोजन। खास बात यह है कि समाज के भामाशाह और दानदाता नवविवाहित जोड़ों को नई गृहस्थी जमाने के लिए 175 तरह के उपहार भेंट करेंगे। इसमें स्वर्ण मंगल सूत्र, बर्तन, कपड़े सहित घरेलू उपयोग की वस्तुएं होंगी। अध्यक्ष हरगुण दास नेभनानी ने बताया कि सर्वप्रथम 12 फरवरी को दोपहर 12:15 बजे पल्लव प्रार्थना होगी। प्रथम पूज्य गणेश जी महाराज और भगवान झूलेलाल जी की आराधना कर नवयुगलों के सुखी जीवन की प्रार्थना की जाएगी। महासचिव अशोक टेवानी ने बताया कि दोपहर 2 बजे बारात रवाना होगी। साईं पुरसुनाराम साहिब मंडल के मंडलाध्यक्ष साईं मुकेश साध बारात को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। बारात में 28 घोड़ियों पर सवार होकर दूल्हे दुल्हन लेने जाएंगे। संयोजक तुलसी संगतानी ने बताया कि शहर का प्रमुख जिया बैंड सिंधी संगीत की स्वर लहरियां बिखेरता चलेगा। होजमालो की धुन पर शहर के गणमान्य व्यक्ति नाचते-कूदते बारात के साक्षी बनेंगे। बारात गीता भवन से बीस दुकान होती गीता भवन पर वापस पहुंचेगी। जहां पर समिति के पदाधिकारी बारात का स्वागत करेंगे।

वेद ज्ञान

प्रेम का सही मतलब समझें

प्रेम अंतर्मन की अभिव्यक्ति और अनुभूति है। प्रेम और वासना में वही फर्क है, जो कंचन और कांच में होता है। यदि हम प्रेम और वासना को एक साथ जोड़कर देखें, तो हमारा नुकसान हो सकता है, क्योंकि तब प्रेम का अर्थ बदल जाएगा। यदि हम प्रेम की परिभाषा वासना की दृष्टि से करें, तो हमारा सारा आध्यात्मिक प्रेम नष्ट हो जाएगा। प्रेम का संबंध अध्यात्म, अंतर्मन और हृदय से है, जबकि वासना का संबंध हमारे बाहरी शरीर से होता है। किसी के बाहरी स्वरूप को देखकर उसके बारे में कुछ कहना या उसके व्यक्तित्व का आकलन करना ठीक नहीं है, क्योंकि हमें जो उसका बाहरी स्वरूप दिख रहा है, वह वास्तविक नहीं है। महान् मनोवैज्ञानिक सिग्मंड फ्रायड ने कहा भी है कि किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व को देखने के बाद ही उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाना चाहिए। 'व्यक्तित्व' यूनानी शब्द 'परसोना' से बना है। हम यदि किसी व्यक्ति के चरित्र के बारे में जानना चाहें, तो मात्र उसके चेहरे को देखकर क्या जान पाएंगे? बनावटी चेहरे को देखकर उस व्यक्ति के चरित्र का मूल्यांकन करने का प्रयास करेंगे तो हमें क्या हासिल होगा? इसलिए बाहर के आवरण को देखकर सुंदरता का सही मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। बाहर से हमें जो दिख रहा है, वह बनावटी है, एक ओढ़ा हुआ आवरण है। जैसा वस्त्र आप पहन लेंगे, वैसा ही आपका व्यक्तित्व माना जाएगा। कबीर ने भी कहा है कि मन न रंगाए, रंगाए जोगी कपड़ा। अर्थात तुम अपने मन को प्रभु के रंग में रंग लो, अपने कपड़े को रंगने से क्या फायदा? कपड़े को मत रंगो, रंगना ही है तो सिर्फ अपने मन को रंगो। मन की पहचान किसी व्यक्ति की असली पहचान होती है। मलिक मोहम्मद जायसी हिंदी साहित्य के महान कवि थे। वह देखने में आकर्षक नहीं थे। एक बार वह किसी रास्ते से होकर कहीं जा रहे थे कि रास्ते में राजा की सवारी आ गई। राजा की नजर जैसे ही जायसी पर पड़ी उनके मुख से हंसी निकल गई। उस हंसी को सुनते हुए जायसी ने राजा से कहा था, ' मोही का हंसो कि हंसो भगवान को ' यानी तुम मुझ पर क्या हंसते हो? यदि मुझे देखकर हंसना हो तो भी तुम मुझ पर मत हंसो।

संपादकीय

सिंधु जल समझौते में संशोधन की कोशिश...

आखिरकार भारत ने सिंधु जल समझौते में संशोधन के लिए पाकिस्तान को बातचीत का नोटिस भेज दिया है। इस तरह उसे नब्बे दिन के अंदर इस मसले पर वार्ता के लिए आना होगा। मगर वह आसानी से इस नोटिस को स्वीकार कर लेगा, कहना मुश्किल है। दरअसल, पिछले पांच सालों से भारत कोशिश करता रहा है कि सिंधु जल समझौते में संशोधन हो, मगर पाकिस्तान इसे लगातार टालता रहा है। पाकिस्तान ने सात साल पहले भारत की रातले और किशनगंगा पनबिजली परियोजनाओं पर आपत्ति जताते हुए अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की अपील की थी। उसके बाद भारत लगातार प्रयास करता रहा है कि इस मसले को परस्पर निपटाया जाए, मगर पाकिस्तान का रुख टालमटोल का रहा है। इसी के चलते उसे यह नोटिस भेजा गया है। सिंधु जल समझौता करीब बासठ साल पहले छह नदियों- व्यास, सतलुज, रावी, सिंधु, झेलम और चेनाब के पानी की हिस्सेदारी को लेकर हुआ था। उसमें विश्व बैंक ने भी हिस्सेदारी की थी। उसके बाद से दोनों देशों के बीच तीन युद्ध हुए, मगर भारत ने कभी पाकिस्तान के हिस्से का पानी नहीं रोका। इस मसले पर कभी कोई बड़ा विवाद नहीं उभरा। हालांकि ये सभी नदियां भारत से होकर गुजरती हैं और उनके पानी के उपयोग का उसे पूरा अधिकार है, फिर भी पाकिस्तान ने उसकी पनबिजली परियोजनाओं पर आपत्ति जाहिर कर दी। दरअसल, सिंधु जल समझौते में भारत को रावी, सतलुज और व्यास नदियों के पानी के निर्बाध उपयोग का अधिकार है, मगर बाकी तीन नदियों पर परियोजनाएं शुरू करने और पानी रोकने को लेकर कुछ शर्तें लगाई गई हैं। उन्हीं शर्तों के आधार पर पाकिस्तान ने भारतीय पनबिजली परियोजनाओं पर आपत्ति जताई। हालांकि हकीकत यह भी है कि इन नदियों का केवल बीस फीसद पानी भारत इस्तेमाल कर पाता है और अगर वह पानी रोक दे, तो पाकिस्तान में सूखे की स्थिति पैदा हो जाएगी। मगर उसने कभी ऐसा नहीं किया। अब पिछले बासठ सालों में स्थितियां काफी बदली हैं। भारत की जल संबंधी जरूरतें तो बढ़ी ही हैं, कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त होने के बाद वहां नई परियोजनाओं का रास्ता खुला है। सब जानते हैं कि नदियों के पानी का सबसे अधिक इस्तेमाल सिंचाई और औद्योगिक इकाइयों में होता है। ऐसे में आने वाले समय में भारत को उन नदियों के पानी में हिस्सेदारी बढ़ानी पड़ेगी, जिनका बड़ा हिस्सा पाकिस्तान इस्तेमाल करता आ रहा है। कई बार विशेषज्ञ रेखांकित कर चुके हैं कि कश्मीर से होकर गुजरने वाली नदियों के पानी का भारत को अधिकतम उपयोग करना चाहिए। मगर अभी तक अड़चन यह है कि उन नदियों के पानी का संचय करने का कोई प्रबंध नहीं है। सिंधु जल समझौते में एक शर्त यह भी है कि भारत नदियों का रुख मोड़ नहीं सकता। इस तरह अगर नदी जोड़ परियोजना पर काम शुरू हो, तो मुश्किल पैदा हो सकती है। मजबूरन भारत अपने हिस्से का बहुत सारा पानी पाकिस्तान की तरफ बह जाने देता है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

कैसा सम्मान?

महाराष्ट्र के नांदेड़ में सम्मान के नाम पर जिस तरह एक लड़की की उसके परिवार वालों ने हत्या कर दी, उसने एक बार फिर यह सवाल पैदा किया है कि इस तरह की शर्मनाक सामाजिक जड़ताओं के कायम रहते किसी भी समाज को कैसे विकासमान और आधुनिक माना जाए! आमतौर पर हर व्यक्ति अपने समाज और उसकी परंपराओं को इसलिए महान बताता है कि उसका मूल संदेश प्रेम है। लेकिन इसी समाज में ऐसी खबरें आए दिन आती रहती हैं, जिसमें अगर कोई युवक या युवती प्रेम संबंध में होते हैं तो वे खुद अपने परिवारों तक के लिए न केवल नफरत का पात्र बन जाते हैं, बल्कि कई बार उनकी हत्या भी कर दी जाती है। नांदेड़ की लड़की थोड़े दिनों में डाक्टर बनने वाली थी। लेकिन उसके माता-पिता, चचेरे भाइयों और मामा ने बेहद क्रूरता से करंट लगा कर उसकी हत्या कर दी और शव को जला कर राख नाले में बहा दी। कारण बस यह था कि लड़की एक युवक से प्रेम करती थी। इस प्रेम को उसके अपने ही परिवार वालों ने अपने सम्मान पर चोट माना और इस कदर क्रूर हो गए। यह कैसी परंपरा है, जो युवक-युवती के बीच प्रेम के बदले उनके अपने परिवार से लेकर समाज तक के भीतर नफरत पैदा कर देती है। इस तरह का प्रेम परिस्थितियों के प्रवाह में उपजी सहज मानवीय भावनाएं होती हैं और प्राकृतिक होने के नाते उसका सम्मान किया जाना चाहिए। मगर इसके उलट इस तरह के पिछड़े और अमानवीय सामाजिक मूल्य आज भी पाए जाते हैं, जिनमें कोई लड़की किसी लड़के से प्रेम करती है तो उसका परिवार और समाज उसे अपने सम्मान के खिलाफ मान लेता है। प्रेम किसी भी तरह के सम्मान के विरुद्ध नहीं होता, बल्कि ऐसा मानने वाले लोगों की चेतना पारंपरिक सामंती और जड़ मूल्यों से संचालित होती रहती है। यह विकृति भारत के हर हिस्से में पाई जाती है, जिसमें कितनी ही लड़कियों और कई बार उनके प्रेमी की भी हत्या कर दी जाती है। दरअसल, इस तरह की धारणाओं के मूल में स्त्रियों के जीवन और अस्तित्व पर पितृसत्ता का कब्जा मुख्य वजह होती है, जो सामाजिक मूल्यों के रूप में लोगों के मानस पर थोपी जाती हैं। ऐसे पितृसत्तात्मक और सामंती मूल्यों के बीच पला-बढ़ा कोई भी व्यक्ति अपनी बेटियों को यह अधिकार नहीं देना चाहता कि वे अपने जीवन साथी का चुनाव खुद कर सकें। अगर किन्हीं स्थितियों में ऐसा होता है तो परिवार इसे अपने झूठे सम्मान पर चोट मानता है और कई बार इसकी प्रतिक्रिया में बेहद संवेदनहीन और क्रूर हो जाता है। जबकि न केवल व्यक्ति के रूप में कोई बालिग और परिपक्व समझ वाली लड़की अपने जीवन के बारे में फैसला लेने की सलाहियत रख सकती है, बल्कि देश के संविधान से भी उन्हें इसका अधिकार मिला हुआ है। अगर उसके परिवार और समाज को कुछ ठीक नहीं लगता, तो वह सिर्फ उचित सलाह दे सकता है। मगर विडंबना है कि लड़की को एक व्यक्ति मानने के बजाय उसे वस्तु या संपत्ति मानने की प्रवृत्ति ने समाज में न केवल सामंती दुराग्रह पैदा किया है, बल्कि इसके शिकार लोग बेटी या फिर उसके साथी की हत्या जैसे बर्बर अपराध करने तक चले जाते हैं।

विरागोदय महामहोत्सव में 3 फरवरी को होगा प्रतिभा सम्मान

देश भर की 300 प्रतिभाऐं होगी सम्मानित

पथरिया. शाबाश इंडिया

भारत गौरव गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज की जन्म स्थली पर नवनिर्मित विरागोदय तीर्थ पर 1 फरवरी से 15 फरवरी 2023 तक चल रहा विरागोदय महामहोत्सव में राष्ट्रीय जैन प्रतिभा सम्मान समारोह का कार्यक्रम 3 फरवरी 2023 शुक्रवार को दोपहर 12:00 बजे से संपन्न होगा। कार्यक्रम संयोजक मनीष विद्यार्थी शाहगढ़ ने बताया कि आ. 105 श्री माताजी एवं आ. 105 विसंयोजना श्री माताजी के निर्देशन में यह आयोजन संपन्न होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संभागीय शिक्षा अधिकारी डॉ मनीष वर्मा विशिष्ट अतिथि मा. सुनील जैन पूर्व विधायक सागर कपिल मलैया सागर मंचासीन रहेंगे। कुंडलपुर महा महोत्सव के बाद यह बुंदेलखंड का दूसरा महा महोत्सव जहां पर 350 मुनि आर्यिकाओं मंगल सान्निध्य मैं आयोजन हो रहा है प्रतिभा सम्मान समारोह के कार्यक्रम संयोजक संजय फुसकेले महेश जैन पी एच ई राजेंद्र जैन महावीर सनावद डॉ. सुनील संचय ललितपुर पंकज जैन छतरपुर रिया जैन दमोह और ज्योति जैन सिविल जज ने कार्यक्रम संयोजन में अपना सहयोग किया।

महापुरूषों के सिद्धांतों से विमुख होकर नहीं मिलेगा पश्चाताप का भी अवसरः आचार्य श्रीरामदयालजी महाराज

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। हम भगवान व महापुरूषों के सिद्धांतों का प्रचार नहीं कर सकते है तो कम से कम उनकी हत्या तो नहीं करें। हम यदि महापुरूषों के सिद्धांतों से विमुख हो रहे है तो स्वयं भ्रष्ट व अपराधी होकर उनके सिद्धांतों की हत्या का कार्य कर रहे है ओर समाज को भी अपराध के लिए प्रेरित कर रहे है। ये विचार अन्तरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के पीठाधीश्वर आचार्य श्रीरामदयालजी महाराज ने बुधवार को स्वामी श्रीरामचरणजी महाप्रभु के 303वें प्राक्ट्य दिवस के अवसर पर माणिक्यनगर स्थित रामद्वारा में दस दिवसीय विराट आध्यात्मिक सत्संग ''**राष्ट्र पर्व से लेकर राम पर्व तक**'' के सातवें दिन व्यक्त किए। आचार्यश्री ने कहा कि स्वामी श्रीरामचरणजी महाराज का प्राकट्य विकट परिस्थतियों में हुआ था। अज्ञान का घोर अंधकार निवृत करने के लिए ज्ञान का सूर्य उदय हुआ था। संत हो या गृहस्थ जो रामस्नेही कहलाता उसके जीवन में आचारसंहिता होनी चाहिए। श्रीमहाराज धर्म की प्रेरणा देने वाले है। उन्होंने अपनी वाणी में उस मानव को खर, शकूर बताया जिसकी प्रज्ञा नष्ट हो गई हो ओर अहंकार का जीवन जी रहा हो। संत ओर संगत धर्म को मस्तष्क पर रखते है। धर्मतत्व हमारे हृदय में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक सम्राट सही मार्ग पर नहीं चले तो संगत उन्हें सुधारती है लेकिन संगत ही सही मार्ग पर नहीं चले तो क्या होगा।

समाज को सही दिशा-निर्देश देने के लिए संत का संविधान बाद में संगत को खुद जागृत रहना होगा। स्वामी श्रीरामचरणजी के सिद्धांत मानव जीवन को सार्थक एवं धन्य करने के लिए है। उनका सम्पूर्ण जीवन चरित्र प्रेरणादायी संदेश देने वाला एवं विलक्षण है। जिन पर उनकी कृपादृष्टि होगी वह धन्य होगा। संत जब कृपादृष्टि देते है तो उससे जगत के नहीं ब्रह्मा के दर्शन हो जाते है। ऐसे महापुरूषों के सिद्धांतों पर न चले व दूसरों को भी पथभ्रष्ट करें तो कहां जाकर बच पाएंगे।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर के डॉ एम एल मणि अध्यक्ष बने

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर के डॉ एम एल मणि अध्यक्ष बने। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर के चुनाव में डॉ एम एल जैन 'मणि' पुन : निर्विरोध अध्यक्ष चुने गये। विजय चन्द कासलीवाल सचिव व पारस मल लुहाड़िया कोषाध्यक्ष बनाये गये। समारोह मे इससे पूर्व बसन्ती क्वीन का भी चयन किया गया। अध्यक्ष डॉ मणि ने बताया कि श्रीमती स्नेहलता जैन ने बसन्ती क्वीन का खिताब जीता।

पारीक कॉलेज के उल्लास-2023 में जीवंत हुआ साहित्य और नृत्य का संगम

जयपुर. शाबाश इंडिया

पारीक कॉलेज प्रांगण में आयोजित हो रहे 6 दिवसीय उल्लास-2023 कार्यक्रम के तृतीय दिवस 1 फरवरी को साहित्य और नृत्य का अनूठा संगम हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी, अतिथि कवि डॉ. संतोष कुमार चारण, किशोर पारीक ''किशोर'', श्रीमती शोभा चंदर, पीके मस्त, डॉ. नेहा पारीक, पुखराज राणा, रीमा गोयल, श्वेता गर्ग, रेशमी चौहान थे। सचिव लक्ष्मीकांत ने पारीक ने बताया कि हास्य, श्रंगार और वीर रस की विधाओं से ओत-प्रोत इस ''काव्यांजलि'' प्रतियोगिता में लगभग 50 प्रतिभागियों ने युवाओं के नाम सन्देश, नारी सशक्तिकरण और अमृत महोत्सव जैसे विषयों पर स्वरचित रचनाएं पढ़ी गई। उन्होंने बताया कि रंग-बिरंगे परिधानों और भावों के सूफिया अंदाज में करीब 70 छात्र-छात्राओ द्वारा गर्ल्स कॉलेज ग्राउंड में लय-ताल और सुरों पर थिरकन दी गई, जिनमें वेस्टर्न, लोकल और क्लासिकल प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया, वहीं भवई व लोक नृत्य की शानदार प्रस्तुति से पूरा प्रांगण तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कार्यक्रम में प्रबंध कार्यकारिणी के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

मुरेना ज्ञानतीर्थ में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा प्रारंभ

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। श्री ज्ञानतीर्थ क्षेत्र में श्री आदिनाथ प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारम्भ घटयात्रा एवं ध्वजारोहण के साथ हुआ। श्री मज्जिनेन्द्र जिनविम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के प्रथम दिन प्रातः कालीन शुभ मुहूर्त में देव आज्ञा, गुरुआज्ञा, प्रतिष्ठाचार्य निमंत्रण, तीर्थमण्डल पूजा की क्रियाएं की गई। घटयात्रा का विशाल एवं भव्य जुलूस ज्ञानतीर्थ जैन मंदिर से प्रारम्भ होकर ए बी रोड, घरोना हनुमान मंदिर, वन विभाग के कार्यालय तक भ्रमण करता हुआ नव निर्मित अयोध्या नगरी में आयोजन स्थल पहुँचा। घटयात्रा चल समारोह में जैन ध्वजा को लेकर आगे आगे हाथी चल रहा था । सौभाग्यशाली महिलाएं केशरिया परिधान में सिर पर मंगल कलश लेकर चल रहीं थी। बैंडबाजों की मधुर धुन पर युवा साथी भक्तिमय नृत्य कर रहे थे। घटयात्रा में लाए गए शुद्ध जल से वेदी, मंच एवं पांडाल की शुद्धि की गई। ध्वजारोहण मुकेश जैन आगरा, चित्र अनावरण इंद्रसेन ऋषभ जैन दिल्ली, दीप प्रज्ज्वलन देवेंद्र निर्मल जैन आगरा ने किया । अयोध्या नगरी का उद्घाटन अतुल जैन दिल्ली एवं मंच का उद्घाटन हंसकुमार स्वेता जैन दिल्ली, किया गया । समस्त धार्मिक क्रियाएं प्रतिष्ठाचार्य ब्र. श्री जयकुमार ₹निशांतर टीकमगढ़, सह प्रतिष्ठाचार्य नितिन भैयाजी खुरई, मनीष भैयाजी टीकमगढ़ के आचार्यत्व में सम्पन्न हुई। मंचासीन पट्टाचार्य श्री विनीतसागर जी महाराज, सप्तम पट्टाचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज, सर्वश्री गणिनी आर्यिका श्री लक्ष्मीभूषण माताजी, श्री सृष्टीभूषण माताजी, श्री स्वस्तिभूषण माताजी, श्री आर्षमति माताजी एवं विराजमान समस्त आचार्य एवं आर्यिका संघ ने मंगल भावना के साथ सभी को शुभाशीष प्रदान किया। दोपहर को याग मंडल विधान के तहत पूजा अर्चना की गई। शाम को भव्यता के साथ 108 दीपकों से भगवान आदिनाथ जी की आरती की गई । ततपश्चात शास्त्र सभा में सरगर्वित प्रवचन हुए।रात्रि को विशाल एवं भव्य मंच पर राज दरबार सजाया गया । राज दरवार में राजा नाभिराय से तत्वचर्चा के पश्चात कुबेर ने रत्नों की वर्षा की। अष्ट कुमारियों ने रानी मरुदेवी की सेवा की और रानी मरुदेवी द्वारा देखे गए सोलह स्वप्नों का बहुत ही सुंदर प्रस्तुति की गई। इसके साथ ही मनोहारी गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किये गए। मध्यरात्रि में गर्भ कल्याणक की क्रियाएं सम्पन्न हुई। ज्ञातव्य हो कि परम पूज्य सराकोद्धारक षष्ट पट्टाचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज की पावन प्रेरणा एवं आशीर्वाद से नव निर्मित ज्ञानतीर्थ क्षेत्र जैन मंदिर मुरेना में श्री आदिनाथ जिनविम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं महामस्तकाभिषेक महोत्सव का आयोजन सप्तम पट्टाचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज, विनितसागर जी महाराज के पावन सान्निध्य एवं स्वस्तिधाम प्रणेत्री आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी के पावन निर्देशन में 01 फरवरी से 06 फरवरी तक चलेगा।

रिजन ने किया शशी नवीन सेन जैन का सम्मान

रिजन सभा में माल्यार्पण कर स्मृति चिन्ह भेटकर सम्मानित किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन द्वारा उज्जैन में संपन्न राष्ट्रीय अधिवेशन में पारिवारिक समस्या निराकरण कमिटी की राष्ट्रीय चेयरमैन शशी सेन जैन एवं कमेटी प्रभारी राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष नवीन सेन जैन को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय परामर्शक महेन्द्र कुमार पाटनी, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष यश कमल अजमेरा, राजस्थान जयपुर रीजन अध्यक्ष राजेश-सीमा बड़जात्या, सचिव निर्मल-सरला संघी ने उन्हें जयपुर में रिजन सभा में माल्यार्पण कर स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मानित किया।

प्रदेश में श्रमण संस्कृति बोर्ड गठन की मांग

विधानसभा में विधायक मेवाराम जैन ने उठाया मामला

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रदेश में श्रमण संस्कृति बोर्ड गठन की मांग काफी समय से जैन समाज कर रहा हें। आज विधानसभा मे नियम 295 के तहत विशेष उल्लेख प्रस्ताव के तहत विधायक मेवाराम ने यह मामला उठाया। मेवाराम जैन बोले - जैन समाज अल्पसंख्यक समुदाय में आता है। समुदाय की संपत्तियों को खुर्दबुर्द करने के प्रयास भी हुए हैं। साधु झ साध्वियों के आहार झ विहार में भी बाधा डालने की कोशिश हुई है। उन्होंने सदन में रखी मांग कि जैन समुदाय की संस्कृति, धार्मिक संपत्ति की सुरक्षा हो। प्रदेश में श्रमण संस्कृति बोर्ड गठन किया जाए। युवा कांग्रेस नेता मोहित जैन के अनुसार काफी समय से प्रदेश में श्रमण संस्कृति बोर्ड के गठन की मांग की जा रही है। जैन समाज की विभिन्न संस्थाओं और संगठनों ने इस हेतु प्रदेश के मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों को ज्ञापन भी दिए हैं। वक्फ बोर्ड की तरह यदि श्रमण संस्कृति बोर्ड का गठन होता है तो जैन समुदाय की संपत्तियों मंदिर स्थान को और संस्थाओं की संपत्तियों की सुरक्षा और सकेगी।

महावीर साधना संस्थान कार्यकारिणी की मीटिंग सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। महावीर साधना संस्थान के संस्थापक सदस्यों की मीटिंग दिनाँक 31 जनवरी 2023 को जस्टिस नरेंद्र जैन के निवास स्थान महावीर नगर पर आयोजित की गई। मीटिंग में वर्ष 2023 की संस्थान की कार्यकारिणी के लिये अनिल जैन अध्यक्ष, सुभाष जैन उपाध्यक्ष, सुरेश काला सचिव, महावीर गोधा कोषाध्यक्ष, विनोद बड़जात्या सह सचिव तथा बाबूलाल बाकलीवाल सांस्कृतिक सचिव को सर्वसम्मति से घोषित किया गया। संस्थान की भावी योजनाओं पर विचार विमर्श किया गया। संस्थान के भवन निर्माण हेतु सदस्यों ने स्वेछा से राशि घोषणा की तथा जैन समाज से राशि एकत्रित करने का निर्णय लिया गया। मीटिंग में जस्टिस नरेन्द्र जैन, सुरेंद्र पांड्या, अनिल जैन, सुरेश काला, सुभाष जैन, महावीर गोधा, विनोद बड़जात्या, बाबूलाल बाकलीवाल, रतन लाल कोठारी, माणक चंद सोगानी, कैलाश जैन, नेमीचंद जैन, पदम चंद गंगवाल, वीर चंद जैन, राकेश जैन, गिरीश बाकलीवाल, महेश जैन आदि ने भाग लिया। अंत मे अनिल जैन अध्यक्ष ने सभी को धन्यवाद दिया।

मानस्तंभ महा मस्तकाभिषेक 5 से 12 फरवरी तक होगा आयोजन

साखना. शाबाश इंडिया

शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र साखना में निर्मित मान स्तंभ में विराजमान श्री जी का महा मस्तकाभिषेक समारोह 5 फरवरी से 12 फरवरी तक आयोजित होगा। अतिशय क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश सोनी, मंत्री प्यार चंद जैन ने बताया कि परम पूज्य आचार्य इंद्र नंदी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में उक्त कार्यक्रम संपन्न होगा। जिसके अंतर्गत 8 दिनों तक मान स्तंभ में विराजमान श्री जी का महा मस्तकाभिषेक किया जाएगा। मीडिया प्रभारी राजेश अरिहंत कोषाध्यक्ष, मनीष बज ने बताया कि 5 फरवरी को

प्रातः 7 बजे अभिषेक,शांतिधारा 9 बजे आहार चर्या 11 बजे झंडारोहण 12:15 बजे से मान स्तंभ के मस्तकाभिषेक का आयोजन होगा। इस हेतु 5 फरवरी को समाज की ओर से निशुल्क बसों की व्यवस्था की गई है कार्यक्रम में पदम जैन शशि जैन सरोली वाले मुंबई को सोधर्म बनने का सौभाग्य प्राप्त होगा। चित्र अनावरण प्रदीप सोनी रचना जैन, झंडारोहण भागचंद पतासी देवी, दीप प्रज्वलन रुचिन जैन पूजा जैन, मुख्य अतिथि सरोज नरेश बंसल जिला प्रमुख टोंक, अध्यक्षता पदम जैन शशि जैन मुंबई करेंगे । भोजन पुण्यार्जक मोहनलाल श्रीमति मोहन बाई जैन सोनी परिवार सरोली वाले होंगे। शिखर चंद जैन धुआं वाले ने बताया कि 16 सौभाग्यशाली इंद्रों के द्वारा मान स्तंभ में विराजमान श्री जी का प्रथम महा मस्तकाभिषेक किया जाएगा एवं प्रतिदिन आने वाले श्रद्धालुओं के द्वारा भी भगवान का महा मस्तकाभिषेक किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम पंडित मनोज शास्त्री, अंकित शास्त्री, संगीतकार दुर्गेश एंड पार्टी की देखरेख में संपन्न होंगे। प्रकाश पटवारी एवं नरेंद्र जैन भरनी ने बताया कि उक्त मान स्तंभ का निर्माण 5 वर्ष पूर्व सन् 2018 में किया गया था। मान स्तंभ में विराजमान श्री जी का प्रथम बार महा मस्तकाभिषेक 5 फरवरी से 12 फरवरी तक होगा। महा मस्तकाभिषेक कार्यक्रम के लिए साखना मंदिर परिसर में विशाल पांडाल एवं मान स्तम्भ तक जाने तक के लिए मंच बनाया गया है ।

जीवन की अनन्त पीड़ाओं के मध्य, सुख, शान्ति, प्रेम, प्रसन्नता का मिलना, मानो परमात्मा कह रहा हो मैं तुम्हारे साथ हूँ..

फिर तुम क्यों परेशान हो रहे हो...? : अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

सच में - वह जीवन ही क्या, जिसमें सुख, शान्ति, प्रेम, प्रसन्नता ना हो। इनके बिना जीवन ऐसा ही है जैसे सुगन्ध के बिना गुलाब, स्वाद के बिना भोजन, डाक्टर के बिना अस्पताल, और ब्रेक के बिना साइकिल और गाड़ी बेकार है। हम सुख, शान्ति, प्रेम, प्रसन्नता क्यों नहीं जी पा रहे हैं -? शायद बलवती इच्छा और आत्म विश्वास के अभाव के कारण। मनुष्य के पास सबसे बड़ी शक्ति है आत्म विश्वास। आत्म बल, सब बलो का राजा है। प्रायः हम अपनी इच्छाओं की अपूर्ति या अर्थ की कमी के कारण अपना अच्छा खासा जीवन बोझ बना लेते हैं। जो है हम उससे खुश नहीं है, जो नहीं है उसका दुःख ही हमारा जीना हराम कर रहा है। देखो नदी, सन्त, सरिता, सूरज और पेड़ पौधे - जो प्रकृति का जीवन जीते हैं, वह सदा देकर खुश होते हैं, और मनुष्य संग्रह वृत्ति के कारण सारा जीवन तबाह कर रहा है, सिर्फ इसलिए कि सब छोड़कर जाना है। परमात्मा पूछता है तुम्हारे साथ क्या है ले जाने के लिए? और रिश्तेदार पूछते हैं तुम्हारे पास क्या है हमको देने, दिखाने और जलाने के लिए?।

नरेंद्र अजमेरा,
पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्री यश कमल-संगीता अजमेरा

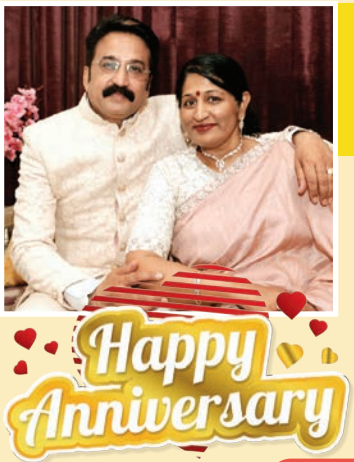

की वैवाहिक वर्षगांठ
(2 फरवरी) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका, परामर्शक: दिनेश-संगीता गंगवाल
कार्याध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, सचिव: अनिल - निशा संघी, कोषाध्यक्ष: अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर